



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

10 चैत्र 1934 (श0)
(सं0 पटना 126) पटना, शुक्रवार, 30 मार्च 2012

श्रम संसाधन विभाग

अधिसूचनाएं

19 मार्च 2012

एस0 ओ0 88, दिनांक 30 मार्च 2012—चूंकि राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि राज्य के अंदर राज्य के असंगठित कार्य क्षेत्र में कार्यरत कामगारों एवं शिल्पकारों को उनकी मृत्यु, दुर्घटना के फलस्वरूप निःशक्तता, चोट तथा असाध्य रोगों की दशा में सुरक्षा कवच प्रदान करना, इन कामगारों तथा शिल्पकारों के बच्चों को स्कूली शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करना तथा उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु “बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना 2011” बनाना आवश्यक है;

इसलिए, अब लोकहित में भारत के संविधान के अनुच्छेद-39 (ग) के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु बिहार-राज्यपाल एतद् द्वारा निम्नलिखित “बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना 2011” बनाते हैं ;

“बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना 2011”

1. **संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं आरंभ** — (1) यह योजना बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना 2011 कही जा सकेगी ।
(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण बिहार राज्य में होगा ।
(3) यह 1 अप्रैल, 2011 से प्रवृत्त होगी ।

2. **परिभाषाएँ** — (1) इस योजना में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो —

(क) “दुर्घटना” से अभिप्रेत है वाह्य हिंसा के कारण दुर्घटना, जो दृश्यमान प्रकृति का हो और इसमें शामिल हैं :—
रेल अथवा सड़क दुर्घटना, विद्युत स्पर्शाघात, सर्प दंश, डूबना, अग्नि-जलन, पेड़ अथवा भवन से गिरना, जंगली जानवरों का आक्रमण, आतंकवादी अथवा आपराधिक आक्रमण आदि। यद्यपि कि यह सूची दृष्टांत युक्त है और परिपूर्ण नहीं है:

परंतु इसमें स्वेच्छा से लगाई गई चोट, आत्महत्या अथवा नशे के कारण हुए दुर्घटना अथवा मृत्यु या आपराधिक घटनाओं में निःशक्तता शामिल नहीं किया जाएगा ।

(ख) “दुर्घटना मृत्यु” से अभिप्रेत है दुर्घटना के कारण मृत्यु :

परंतु दुर्घटना के 180 दिनों के अन्दर दुर्घटना के फलस्वरूप पूर्णतः एवं प्रत्यक्ष रूप से शारीरिक क्षति के कारण हुई मृत्यु जो किसी अन्य कारण से हुई मृत्यु से भिन्न हो इस योजना के अधीन आच्छादित होगी ।

(ग) “शिल्पकार” से अभिप्रेत है राज्य के स्वनियोजित निवासी, जो बिहार राज्य में कार्य करते हों एवं लोहारगिरी, टोकरी निर्माण, बैलगाड़ी/ सायकिल ठेला/ हाथ ठेला चालन, बढईगिरी, रंगरेज, रिक्शा चालन, खिलौना निर्माण, पशु पालन, पशु चराना, कशीदाकारी, रस्सी-निर्माण, कुम्हारगिरी, नाईगिरी, हस्तकरघा, मल्लाहगिरी, मदारी कार्य का प्रदर्शन, जूता मरम्मत एवं निर्माण कार्य, भेड़-बकरी पालन, दर्जीगिरी, रफूगिरी, पत्थर काटना, फेरी लगाना, ठठेरागिरी, पटरी दूकानदार, आँटो रिक्शा चालन, सब्जी एवं फल बिक्री, मूर्ति निर्माण, कपड़ा रंगाई, बुनाई एवं इसी प्रकृति के अन्य साधारण व्यवसाय से अपना जीविकोपार्जन करते हों। हालांकि यह सभी दृष्टांतयुक्त हैं और परिपूर्ण नहीं हैं।

(घ) “प्रखण्ड विकास पदाधिकारी” से अभिप्रेत है राज्य सरकार द्वारा नियुक्त प्रखण्ड के विकास पदाधिकारी ;

(ङ) “अंचलाधिकारी” से अभिप्रेत है राज्य सरकार द्वारा अंचलों में नियुक्त अंचल पदाधिकारी ;

(च) “आश्रित” से अभिप्राय है मृतक की विधवा और महिला के संदर्भ में उसका पति, आश्रित का पुत्र, अविवाहित पुत्री और उसके माता-पिता / अविवाहित मृतक के संदर्भ में संयुक्त रूप से उसके माता और पिता ;

नोट – मृत्यु की स्थिति में अनुदान की राशि उसके सभी आश्रितों में समान अनुपात में वितरित की जाएगी।

(छ) “जिला पदाधिकारी” से अभिप्रेत है राज्य सरकार द्वारा जिलों में नियुक्त जिला पदाधिकारी एवं जिले का समाहर्ता। इस परिभाषा में शामिल हैं जिला पदाधिकारी द्वारा इस योजना के अंतर्गत सभी अथवा कतिपय कृत्यों के सम्पादन हेतु विशेष रूप से प्राधिकृत जिलों में पदस्थापित अपर समाहर्ता या अपर जिला दण्डाधिकारी और वरीय उप-समाहर्ता ;

(ज) “असाध्य रोग” से अभिप्रेत है कोई भी रोग जो योजना के अनुसूची-I में उल्लिखित हो ;

(झ) “श्रम अधीक्षक” से अभिप्रेत है राज्य सरकार द्वारा जिला में नियुक्त जिले का प्रभारी श्रम अधीक्षक ;

(ञ) “स्वाभाविक मृत्यु” से अभिप्रेत है स्वाभाविक कारणों से मृत्यु, किसी दुर्घटना द्वारा नहीं ;

(ट) “स्थायी आंशिक निःशक्तता” से अभिप्रेत है किसी दुर्घटना के कारण एक आँख अथवा एक अंग की हानि और इसमें दुर्घटना अथवा किसी अन्य कारणों से किसी एक अंग के पक्षाघात के मामले शामिल हैं ;

(ठ) “पूर्ण स्थायी निःशक्तता” से अभिप्रेत है किसी दुर्घटना के कारण दोनो आँख अथवा दो हाथ या दो पैर अथवा एक आँख एवं एक हाथ या एक पैर की हानि और इसमें दुर्घटना या किसी अन्य कारणों से किसी दो अंग या मस्तिष्क में पक्षाघात के मामले शामिल हैं ;

(ड) “योजना” से अभिप्रेत है बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, 2011;

(ढ) “समिति” से अभिप्रेत है राज्य सरकार द्वारा बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति के नाम से या इसके उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित समिति।

(ण) “राज्य सरकार” से अभिप्राय है बिहार सरकार;

(त) “असंगठित कार्य क्षेत्र” से अभिप्राय है न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, के अनुसूचित नियोजनों में शामिल नियोजन ;

(थ) “कामगार” से अभिप्रेत है बिहार राज्य का निवासी जो कि असंगठित कार्य क्षेत्र में कार्यरत हों ;

(2) शब्दों और अभिव्यक्तियों, जो इसमें प्रयुक्त हैं, किन्तु परिभाषित नहीं, के अर्थ वही होंगे जो बिहार राज्य के अन्दर व्यापक रूप से समझे जाते हैं।

3. यह योजना आणविक विकिरण तथा युद्ध के कारण घटित मृत्यु होने की दशा में भी लागू होगी।

4. यह योजना उन सभी कामगारों एवं शिल्पकारों पर लागू होगी जिनकी आयु उस वर्ष की पहली जुलाई को 18 से 65 वर्ष के बीच हो, जिस वर्ष दुर्घटना घटित हुई हो :

परंतु, यह योजना उन व्यक्तियों पर लागू नहीं होगी जो केन्द्र प्रायोजित आम आदमी बीमा योजना के अधीन आच्छादित हैं:

परंतु और कि, यह योजना उन कामगारों पर लागू नहीं होगी जो भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (सेवा शर्तों) अधिनियम, 1996 एवं इसके अधीन बनाई गई नियमावली के अधीन निबंधित हों।

5. वंशजों के उपर्युक्त क्रम में वैध आश्रितों का निर्णय अंचल अधिकारी करेंगे। अंचल अधिकारी द्वारा आश्रितों के संबंध में दिये गये निर्णय पर विवाद की स्थिति में जिला पदाधिकारी के समक्ष अपील दायर किया जाएगा तथा उनका निर्णय अंतिम होगा।

बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार और शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना

6. इस योजना का नाम बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार और शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना होगा और यथास्थिति कामगारों एवं शिल्पकारों या उनके आश्रितों तथा बच्चों को निम्नलिखित लाभ देय होगा:-

(1) दुर्घटना के कारण कामगार या शिल्पकार की मृत्यु होने पर उनके विधिक आश्रितों को 1,00,000/- (एक लाख) रुपये का अनुदान का भुगतान किया जाएगा।

(2) कामगार या शिल्पकार की स्वाभाविक मृत्यु होने पर रुपये 30,000/- (रुपये तीस हजार) का अनुदान उनके विधिक आश्रितों को भुगतान किया जाएगा।

(3) कामगार या शिल्पकार की पूर्ण स्थायी निःशक्तता की स्थिति में रुपये 75,000/- (रुपये पचहत्तर हजार) के अनुदान का भुगतान किया जाएगा।

(4) कामगार या शिल्पकार की स्थायी आंशिक निःशक्तता की स्थिति में रुपये 37,500/- (रुपये सैंतीस हजार पाँच सौ) के अनुदान का भुगतान किया जाएगा।

(5) छात्रवृत्ति के रूप में कामगार या शिल्पकार के अधिकतम दो बच्चों, जो राज्य के अंदर कक्षा 9वीं से 12वीं, सरकारी पॉलिटेक्निक तथा सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में लम्बी अवधि के व्यवसाय में अध्ययनरत हों, को प्रति माह रुपये 100/- (रुपये एक सौ) की दर से एकमुश्त 1200/- (बारह सौ रुपये) वार्षिक छात्रवृत्ति दी जाएगी तथापि अगर बच्चा परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है, तो अगले वर्ष उसे वित्तीय सहायता का भुगतान नहीं किया जाएगा :

(6) कामगार या शिल्पकार की दुर्घटना के फलस्वरूप चोट के लिए कम से कम पाँच दिनों तक अस्पताल में भर्ती होने पर उसे रुपये 5000/- (रु० पाँच हजार) की चिकित्सीय सहायता उसके इलाज और उससे संबंधित खर्च हेतु दिया जाएगा।

(7) इस योजना की अनुसूची-I में विहित असाध्य रोग से ग्रसित कामगार या शिल्पकार को चिकित्सा तथा सम्बद्ध खर्च हेतु अनुसूची में विहित दर से चिकित्सा सहायता का भुगतान किया जाएगा।

परंतु यह चिकित्सा सहायता राज्य सरकार या केन्द्र सरकार द्वारा सूत्रित किसी योजना के अधीन देय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(8) इस योजना के अधीन किये जाने वाले भुगतान रेखांकित चेक अथवा डिमान्ड ड्राफ्ट के रूप में किये जाएंगे।

7. इस योजना के अधीन लाभ प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रक्रिया :-

(1) मृत्यु के मामले -

(क) प्राकृतिक मृत्यु और दुर्घटना के कारण मृत्यु होने की दशा में विहित प्रपत्र-I में अनुदान की स्वीकृति हेतु आवेदन पत्र मृत्यु की तिथि से यथासंभव शीघ्र संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी / श्रम अधीक्षक / जिला पदाधिकारी के समक्ष दिया जा सकेगा। ये आवेदन पत्र पर्याप्त संख्या में जिला कार्यालय / अनुमण्डल कार्यालय / प्रखण्ड कार्यालयों और पंचायतों / नगर निगम कार्यालयों में रखे जाएंगे।

(ख) प्रपत्र अनुपलब्ध होने की स्थिति, में सादा कागज पर आवेदन पत्र सभी आवश्यक कागजातों के साथ दिया जा सकेगा।

(ग) उक्त आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किये जाएंगे :-

(i) मृतक का आवासीय प्रमाण-पत्र ;

(ii) अंचल अधिकारी द्वारा निर्गत आश्रितों का प्रमाण-पत्र ;

(iii) सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत मृत्यु प्रमाण पत्र (दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु की दशा में, राजकीय चिकित्सा पदाधिकारी से अन्यून पंक्ति के चिकित्सक द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र की अपेक्षा की जाएगी);

(iv) दुर्घटना के संबंध में पुलिस थाना में दी गयी सूचना की प्रति / मुखिया / वार्ड पार्षद द्वारा दिया गया प्रमाण-पत्र अगर पुलिस थाना में जानकारी देना विधि द्वारा अपेक्षित न हो ;

(v) मृत्यु प्रमाण-पत्र या अन्वेषण प्रतिवेदन या पंचनामा (केवल दुर्घटना के कारण मृत्यु होने पर) ;

(vi) मृतक के उम्र का सबूत ;

(vii) मृतक के कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें वह संलग्न था, यथास्थिति, संबंधित मुखिया / पंचायत के वार्ड सदस्य / पंचायत समिति के सदस्य या संबंधित शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र ;

(2) निःशक्तता के मामले - (क) पूर्ण स्थायी निःशक्तता एवं आंशिक निःशक्तता के मामले में अनुदान हेतु आवेदन दुर्घटना के दिन से यथासंभव शीघ्र फार्म-2 में संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी / श्रम अधीक्षक / जिला पदाधिकारी को दिया जा सकेगा। ये आवेदन प्रपत्र पर्याप्त संख्या में सभी जिला कार्यालयों / अनुमण्डल कार्यालयों / प्रखण्ड कार्यालय एवं पंचायत कार्यालयों में रखे जाएंगे।

(ख) फार्म-2 की अनुपलब्धता की स्थिति में आवेदन सादा कागज पर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ दिया जा सकेगा।

(ग) संबंधित आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे :-

(i) आवासीय प्रमाण-पत्र ;

(ii) उम्र का सबूत ;

(iii) एक फोटोग्राफ, जिसमें आवेदक द्वारा अपने निःशक्तता की स्थिति दर्शायी गई हो।

(iv) पुलिस स्टेशन को दुर्घटना के बारे में दी गई सूचना की प्रति या यदि पुलिस स्टेशन को सूचना देना विधि के अधीन अपेक्षित नहीं हो तो दुर्घटना के संबंध में मुखिया / वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र।

(v) सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत निःशक्तता प्रमाण-पत्र। (सरकारी अस्थि शल्य चिकित्सक द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र की अपेक्षा की जाएगी)

(vi) मुखिया / पंचायत के वार्ड सदस्य / सदस्य पंचायत समिति / शहरी क्षेत्र के मामले में वार्ड पार्षद द्वारा, कार्य की प्रकृति को विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें आवेदक लगा हो या लगा हुआ था, निर्गत प्रमाण-पत्र।

(3) बच्चों को छात्रवृत्ति — (क) छात्रवृत्ति हेतु आवेदन विहित प्रपत्र— 3 में अपेक्षित दस्तावेजों के साथ यथास्थिति उस विद्यालय के प्रधानाचार्य या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय / औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान / पोलिटेकनिक के प्राचार्य के माध्यम से, जिसमें आवेदक अध्ययन कर रहा हो, कार्यकारी निदेशक, बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति, पटना को दिया जा सकेगा। ये आवेदन फॉर्म पर्याप्त संख्या में जिला कार्यालयों / अनुमण्डल कार्यालयों / प्रखण्ड कार्यालयों / पंचायत / नगर पालिका कार्यालयों / उच्च विद्यालय / उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों / पोलिटेकनिक में रखे जाएंगे।

(ख) फॉर्म—3 की अनुपलब्धता के मामले में, आवेदन सादे कागज पर अपेक्षित दस्तावेजों के साथ दिए जा सकेंगे।

(ग) उच्च विद्यालयों के प्रधानाध्यापक / उच्चतर माध्यमिक विद्यालय / औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान / पोलिटेकनिक के प्राचार्य आवेदन को जाँचोपरान्त कि आवेदन सही है कार्यकारी निदेशक, बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति, पटना को अग्रेषित एवं दावा अनुषंसित करेंगे।

(घ) उक्त आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे :—

(i) माता अथवा पिता जो कामगार या शिल्पकार हों के उम्र का सबूत ;

(ii) माता या पिता का आवासीय प्रमाण पत्र ;

(iii) यथास्थिति संबंधित मुखिया / वार्ड सदस्य पंचायत / सदस्य पंचायत समिति / या संबंधित वार्ड पार्षद (शहरी क्षेत्र) द्वारा कार्य की प्रकृति को विनिर्दिष्ट करते हुए, जिसमें आवेदक के माता-पिता लगे हुए हो, निर्गत प्रमाण पत्र ;

(iv) संबंधित मुखिया / वार्ड सदस्य पंचायत / सदस्य पंचायत समिति / या संबंधित वार्ड पार्षद द्वारा अभिप्रमाणित माता-पिता का फोटो ;

(v) संस्थान के प्रधान द्वारा अभिप्रमाणित छात्र का फोटो ;

(4) दुर्घटना के फलस्वरूप घायल होने के पश्चात अस्पताल में भर्ती होने पर चिकित्सीय सहायता :—

(क) किसी कामगार या शिल्पकार के दुर्घटना के कारण अस्पताल में भर्ती होने की दशा में चिकित्सीय सहायता अनुदान के लिए आवेदन घटना की तिथि से यथासंभव शीघ्र विहित प्रपत्र — 5 में श्रम अधीक्षक अथवा जिला पदाधिकारी को समर्पित किया जाएगा। ये आवेदन प्रपत्र पर्याप्त संख्या में सभी जिला कार्यालयों / अनुमण्डल कार्यालयों / प्रखण्ड कार्यालयों एवं पंचायत / नगरपालिका कार्यालयों में रखे जाएंगे।

(ख) प्रपत्र की अनुपलब्धता की दशा में, आवेदन सादे कागज पर अपेक्षित दस्तावेजों के साथ दिया जा सकेगा।

(ग) निम्नलिखित दस्तावेज उक्त आवेदन के साथ संलग्न किए जाएंगे :—

(i) आवासीय प्रमाण पत्र ;

(ii) अस्पताल में भर्ती होने का प्रमाण पत्र ;

(iii) पुलिस स्टेशन में दुर्घटना के संबंध में दी गई सूचना की प्रति या पुलिस स्टेशन को सूचना देना विधि के अधीन अपेक्षित नहीं हो तो यथास्थिति, मुखिया / शहरी क्षेत्र में वार्ड पार्षद का प्रमाण-पत्र ;

(iv) उम्र का सबूत।

(v) पंचायत का मुखिया / वार्ड सदस्य / सदस्य, पंचायत समिति या वार्ड पार्षद (शहरी क्षेत्र के मामले में) जिस मामले में जो लागू हो, द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र, जिससे स्पष्ट हो कि आवेदक किस प्रकृति के कार्य में संलग्न है/था।

(vi) व्यक्ति का स्व अभिप्रमाणित ऐसा फोटोग्राफ, जिससे उसकी चोट एवं अस्पताल में भर्ती होना परिलक्षित होता हो।

(5) असाध्य बीमारी के मामले में चिकित्सीय सहायता —

(क) कामगार या शिल्पकार के असाध्य बीमारी की दशा में चिकित्सीय सहायता अनुदान हेतु प्रपत्र—6 में आवेदन श्रम अधीक्षक / जिला पदाधिकारी को समर्पित किया जाएगा। ये प्रपत्र पर्याप्त संख्या में सभी जिला कार्यालयों / अनुमण्डल कार्यालयों / प्रखण्ड कार्यालय एवं पंचायत / नगरपालिका कार्यालयों में रखे जाएंगे।

(ख) प्रपत्र की अनुपलब्धता के मामले में आवेदन सादे कागज पर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ दिया जा सकेगा।

(ग) निम्नलिखित दस्तावेज उक्त आवेदन के साथ संलग्न किए जाएंगे :—

(i) आवासीय प्रमाण पत्र ;

(ii) आवेदक की बीमारी की प्रकृति से संबंधित चिकित्सा प्रदान करने वाले चिकित्सक अथवा अस्पताल का प्रमाण पत्र ;

(iii) उम्र का सबूत ;

(iv) यथास्थिति, मुखिया / पंचायत वार्ड सदस्य / सदस्य पंचायत समिति या शहरी क्षेत्र में संबंधित वार्ड पार्षद द्वारा कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट करते हुए जिसमें आवेदक कार्यरत है/था निर्गत प्रमाण-पत्र ;

(v) स्व अभिप्रमाणित एक फोटोग्राफ ;

मृत्यु एवं निःशक्तता के मामलों में आवेदन पत्रों का निपटारा

8. जिला पदाधिकारी / श्रम अधीक्षक, मृत्यु एवं निःशक्तता के मामलों में आवेदन प्राप्त होने के तुरंत बाद संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को जॉच-पड़ताल एवं प्रतिवेदन हेतु भेज देंगे।
9. (1) मृत्यु एवं निःशक्तता के मामलों में अनुदान हेतु यथास्थिति जिला पदाधिकारी या श्रम अधीक्षक से या सीधे आवेदन प्राप्त होने पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी तुरन्त उसकी जॉच-पड़ताल आरम्भ करेगा।
(2) जॉच के क्रम में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, मृतक अथवा निःशक्तता की दशा में आवेदक कामगार या शिल्पकार था/है या नहीं की जानकारी प्राप्त करेगा। वह तब मृत्यु अथवा निःशक्तता का कारण, मृतक या निःशक्तता के मामले में आवेदक की उम्र, मृतक के विधिक आश्रितों का सत्यापन तथा दावे की जॉच करेगा।
(3) प्रखण्ड विकास पदाधिकारी आवेदन की प्राप्ति के 14 दिनों के भीतर जॉच-पड़ताल पूर्ण कर, बिना किसी विलम्ब के, जॉच-प्रतिवेदन यथास्थिति, जिला पदाधिकारी या श्रम अधीक्षक को भेज देगा।
(4) ऐसे जॉच प्रतिवेदन पर, जिला पदाधिकारी अथवा श्रम अधीक्षक द्वारा यथाशीघ्र तेजी से कार्रवाई प्रारम्भ की जाएगी। यदि प्रतिवेदन पर श्रम अधीक्षक द्वारा कार्रवाई की जानी हो, तो वे जॉच-प्रतिवेदन अपने मंतव्य के साथ जिला पदाधिकारी को उचित कार्रवाई हेतु भेज देंगे।
- 10 (1) यदि जिला पदाधिकारी उचित समझें तो वे दावे की जॉच-पड़ताल स्वयं या अपने अधीनस्थ किसी वरीय पदाधिकारी से करावेंगे। उक्त जॉच-पड़ताल प्रखण्ड विकास पदाधिकारी से प्राप्त जॉच-प्रतिवेदन की प्राप्ति के 21 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।
(2) यदि जिला पदाधिकारी जॉच-प्रतिवेदन से संतुष्ट हों तो जॉच प्रतिवेदन प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर दावे पर निर्णय लेंगे। दावा की स्वीकृति के मामले में अनुदान का भुगतान क्रॉस चेक / डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से मृतक के आश्रित को या निःशक्तता के मामले में समुचित सत्यापन करने के पश्चात् आवेदक को किया जाएगा। यदि दावे को अस्वीकृत किया जाता है, तो अस्वीकृति का कारण सहित सूचना दावेदार को यथाशीघ्र भेज दिया जाएगा।
- 11 प्राप्त आवेदनों की जॉच-पड़ताल और लिए गए निर्णय से संबंधित प्राप्त आवेदन पत्रों का अभिलेख प्रखण्ड विकास पदाधिकारी / श्रम अधीक्षक / जिला पदाधिकारी के कार्यालय में संधारित किया जाएगा।

छात्रवृत्ति हेतु प्राप्त आवेदनों का निपटारा

- 12 कार्यकारी निदेशक, बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति या कोई अन्य प्राधिकृत पदाधिकारी छात्रवृत्ति के अनुदान हेतु आवेदन की प्राप्ति के बाद तुरंत प्रक्रिया प्रारम्भ करेंगे। यदि दावा मंजूर किया जाता है, तो चेक/ डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से वित्तीय सहायता, संबंधित विद्यालय, महाविद्यालय, संस्थान के प्रधानाध्यापक/ प्राचार्य को आवेदक को भुगतान करने के लिए भेजा जाएगा। यदि दावे को नामंजूर किया जाता है, तो कारण सहित इसकी सूचना दावेदार को संबंधित संस्थान के माध्यम से यथाशीघ्र भेज दी जाएगी।
- 13 छात्रवृत्ति हेतु प्राप्त आवेदन का निपटारा समिति कार्यालय में इसकी प्राप्ति की तिथि से 14 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा।
- 14 संबंधित उच्च विद्यालय/ इंटरमीडिएट कॉलेज / संस्थान के प्रधानाध्यापक/प्राचार्य द्वारा संबंधित चेक / डिमाण्ड ड्राफ्ट समुचित सत्यापन करने के पश्चात् संबंधित छात्र को उपलब्ध करा दिया जाएगा एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रपत्र-4 में समिति को हस्तगत कर दिया जाएगा।
- 15 प्राप्त आवेदनों एवं लिये गये निर्णय का रिकार्ड समिति के कार्यालय द्वारा संधारित किए जाएंगे।

चोट एवं असाध्य रोगों के मामलों में चिकित्सा सहायता हेतु प्राप्त आवेदनों का निपटारा

- 16 चोटों एवं असाध्य रोगों के मामलों में चिकित्सा सहायता हेतु प्राप्त आवेदनों पर श्रम अधीक्षक / जिला पदाधिकारी द्वारा शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। यदि आवेदन श्रम अधीक्षक द्वारा प्राप्त किया गया है तो वे आवेदन के जॉच-पड़ताल के पश्चात्, अपने मंतव्य के साथ, जिला पदाधिकारी को निर्णय हेतु भेज देंगे।
- 17 यदि जिला पदाधिकारी दावे से संतुष्ट हों तो वे दावों को शीघ्रातिशीघ्र विनिश्चित करेंगे। दावों को विनिश्चित करने में जिला पदाधिकारी जिला के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी से परामर्श कर सकेंगे। हालांकि इस प्रकार के परामर्श में अनावश्यक समय नहीं लगना चाहिए।
- 18 दावे के मंजूर होने के मामले में, अनुदान का भुगतान चेक / डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से आवेदक को, समुचित सत्यापन के पश्चात् किया जाएगा। दावों के नामंजूर होने की दशा में कारण सहित इसकी सूचना आवेदक को यथासंभव शीघ्र भेज दी जाएगी।
- 19 चोट के पश्चात् अस्पताल में भर्ती के मामले में अनुदान के लिए आवेदन का निपटारा उसकी प्राप्ति से सात दिनों के भीतर कर दिया जाएगा।
- 20 असाध्य रोगों के मामलों में अनुदान के लिए आवेदन का निपटारा उसकी प्राप्ति से 14 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा।
- 21 प्राप्त आवेदनों, की गई जॉच-पड़ताल एवं विनिष्पन्न का अभिलेख का संधारण श्रम अधीक्षक / जिला पदाधिकारी कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

अपील

- 22 जिला पदाधिकारी या समिति के निर्णय से व्यथित कोई व्यक्ति श्रमायुक्त, बिहार के समक्ष अपील कर सकेगा जिसका विनिश्चय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा। श्रमायुक्त ऐसे सभी अपील का निपटारा उनके दायर करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर कर देंगे।

मामलों के निपटारा में पारदर्शिता

- 23 इस योजना के अधीन दावे के निपटारे में सभी स्तरों पर पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी।
- 24 पूरी पारदर्शिता बरतने हेतु जिला पदाधिकारी, समिति या श्रमायुक्त, बिहार द्वारा पारित सभी आदेश आम जनता के सूचनार्थ यथानुसार संबंधित जिला, समिति या श्रमायुक्त, बिहार के वेबसाइट पर डाल दिया जाएगा।
- 25 लाभान्वितों की सूची समय-समय पर, संबंधित जिला, समिति एवं श्रम संसाधन विभाग के वेबसाइट पर डाल दी जाएगी।
- 26 नोडल प्राधिकार — (1) बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति, जो श्रम संसाधन विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन राज्य सरकार द्वारा स्थापित की गई है, राज्य स्तर पर योजना के कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण के लिए नोडल प्राधिकार होगी।
- (2) जिला पदाधिकारी जिला स्तर पर योजना के कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण के लिए नोडल प्राधिकार होंगे।
- (3) यथास्थिति, श्रम अधीक्षक/ सहायक श्रम आयुक्त या जिला पदाधिकारी द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य पदाधिकारी जिला स्तर पर इस योजना के प्रभारी होंगे। ऐसे प्रभारी पदाधिकारी को डिस्ट्रीक्ट की मैनेजर के रूप में पदचिन्हित किया जाएगा।
27. सामान्य — यदि कामगार / शिल्पकार के पास, आम आदमी बीमा योजना के अलावा कोई अन्य बीमा पॉलिसी है, तो भी वह एवं उसके आश्रितों को इस योजना का लाभ देने से इनकार नहीं किया जाएगा।
28. संबंधित पदाधिकारी अगर स्वेच्छाचारितापूर्वक इस योजना के अन्तर्गत अपने कर्तव्यों के निर्वहन में असफल पाये जाएंगे, तो उनके विरुद्ध आवश्यक अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।
- 29 कठिनाइयों का निष्पादन — यदि इस योजना के किसी प्रावधान के निर्वचन या कार्यान्वयन के संबंध में कोई कठिनाई उत्पन्न हो, तो श्रम संसाधन विभाग को कठिनाइयों को दूर करने का अधिकार होगा एवं उसका निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।
- 30 श्रम संसाधन विभाग को समय-समय पर, योजना के कार्यान्वयन हेतु दिशा-निर्देश जारी करने का अधिकार होगा।
- 31 संशोधन एवं निरसन — राज्य सरकार को इस योजना के किसी अथवा सभी प्रावधानों को संशोधन अथवा निरसन करने की शक्ति होगी।

(सं० आ०आ०बी०यो०(को०)१०/२००८—श्र० सं०—११९६)

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
व्यास जी,
सरकार के प्रधान सचिव।

19 मार्च 2012

एस० ओ० 89, एस० ओ० 88, दिनांक 30 मार्च 2012 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार राज्य के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद—348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

(सं० आ०आ०बी०यो०(को०)१०/२००८—श्र० सं०—११९७)

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
व्यास जी,
सरकार के प्रधान सचिव।

अनुसूची 1

असाध्य रोगों की सूची एवं चिकित्सीय सहायता की दर

क्र. सं.	बीमारी का नाम	उपचार की प्रकृति	चिकित्सकीय सहायता की राशि (रु०)
1	कैंसर	शल्य चिकित्सा(शल्य क्रिया के साथ)	25000
		बगैर शल्य चिकित्सा(बिना शल्य क्रिया)	15000
2	हृदय रोग	डी.भी.आर.(डबल भाल्भ रिप्लेसमेंट)	30000
		एम.भी.आर.(मित्रल भाल्भ रिप्लेसमेंट)	25000
		पेस मेकर	25000
		स्टेनोसिस/बैलून भालभोटोमी	15000
		सी.ए.बी.जी. (कोरोनरी आर्टरी बाइपास ग्राफ्ट)	25000
		पी.टी.सी.ए. परक्युटिनियस ट्रांसलुमिनियस कोरोनरी एंजियो प्लास्टी	25000
		ए .एस.डी.(एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट्स)/भी.एस. डी.	15000
3	रिनल(किडनी)बीमारी	शल्य चिकित्सा(शल्य क्रिया के साथ)	30000
4	ब्रेन ट्यूमर	लघु शल्य क्रिया	10000
		वृहद	20000
5	एड्स	मेडिकल एटेंडेंट के निर्णय के अनुरूप	25000
6	पूर्ण कुल्हा एवं घुटना बदलना	शल्य क्रिया द्वारा	10000
7	वृहत् भस्कुलर शल्य चिकित्सा	शल्य क्रिया द्वारा	10000
8	बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन	शल्य क्रिया द्वारा	10000
9	स्पाइनल शल्य चिकित्सा	शल्य क्रिया द्वारा	7500

बिहार सरकार

श्रम संसाधन विभाग

प्रपत्र- 1

बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना,
2011 के अधीन स्वाभाविक मृत्यु / दुर्घटना मृत्यु के मामले में अनुदान प्राप्त करने हेतु दावा प्रपत्र ।

(तीन प्रतियों में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/श्रम अधीक्षक / जिला पदाधिकारी को दिया जाएगा*)

1. (क) मृतक का नाम —
- (ख) उम्र —
- (ग) कार्य का स्थान—
- (घ) कार्य की प्रकृति —
- (ङ) पता — ग्राम/मुहल्ला—
- पंचायत/वार्ड — पो0—
- थाना— अंचल/प्रखण्ड—
- जिला—

#2. दुर्घटना मृत्यु की विवरणी :-

- (क) दुर्घटना की तिथि —
- (ख) समय — पूर्वाह्न/अपराह्न
- (ग) स्थान —
- (घ) दुर्घटना का ब्योरा —
- (ङ) मृत्यु की तिथि एवं समय —

#3. स्वाभाविक मृत्यु की विवरणी

- (क) तिथि —
- (ख) समय — पूर्वाह्न/अपराह्न
- (ग) स्थान —
- (घ) मृत्यु का कारण —
- (ङ) मृत्यु की तिथि एवं समय —

4. मृत्यु प्रमाण पत्र / पोस्टमोर्टम प्रतिवेदन (यदि लागू हो) निर्गत करने वाले प्राधिकार का नाम एवं पदनाम
—

5. दावेदारों का ब्योरा :- मृतक के आश्रित निम्नांकित हैं :-

- (i) नाम — पता—
मृतक के साथ संबंध—
- (ii) नाम — पता—
मृतक के साथ संबंध
- (iii) नाम — पता—
मृतक के साथ संबंध

जिला पदाधिकारी का कार्यालय -----

दावा की जांच(पदाधिकारी का नाम) द्वारा की गयी एवं उसका जॉच प्रतिवेदन स्वीकार योग्य है / स्वीकार योग्य नहीं है । दावा स्वीकृत किया जाता है एवं यह आदेश दिया जाता है कि आश्रितों को रु0 का भुगतान किया जाए / दावा को निम्न कारणों से खारिज किया जाता है :-

श्रम अधीक्षक /
सहायक श्रमायुक्त
या

जिला पदाधिकारी द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी
स्थान —
तारीख —

जिला पदाधिकारी
का हस्ताक्षर (मुहर) ।

आश्रितों श्री.....श्री.....श्री.....
.....को रुपयेका भुगतान तारीख..... को चेक / बैंक ड्राफ्ट
संख्या —
तारीख जारी करने वाले बैंक द्वारा किया गया ।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का हस्ताक्षर
एवं मुहर

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग
प्रपत्र-2

बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना,
2011 के अन्तर्गत पूर्ण स्थायी / आंशिक निःशक्तता के मामले में अनुदान प्राप्ति हेतु आवेदन प्रपत्र ।

(तीन प्रतियों में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी / श्रम अधीक्षक / जिला पदाधिकारी को दिया प्रस्तुत किया जाएगा।*)

1. (क) दावेदार का नाम —
(ख) उम्र —
(ग) कार्य स्थल —
(घ) कार्य की प्रकृति —
(ङ) पता — ग्राम/मुहल्ला—
पंचायत/वार्ड — पो0—
थाना— अंचल/प्रखण्ड—
जिला—
2. दुर्घटना का विवरण :-
(क) दुर्घटना की तिथि —
(ख) समय — पूर्वाह्न/अपराह्न
(ग) स्थान —
(घ) दुर्घटना का समग्र विवरण —
3. निःशक्तता का विवरण
(क) निःशक्तता का पूर्ण विवरण —
(ख) निःशक्तता का प्रकार — पूर्ण स्थायी / आंशिक अपंगता
4. निःशक्तता प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले
प्राधिकारी का नाम एवं पदनाम —
5. अभिलेख संलग्न — इस आवेदन के साथ दावेदार के प्रयोजनार्थ निम्नांकित दस्तावेज संलग्न किये जाएंगे।
(क) आवासीय प्रमाण पत्र, —
(ख) उम्र का प्रमाण पत्र, —
(ग) आवेदक के अपंग स्थिति को दर्शाती तस्वीर, —
(घ) दुर्घटना के संबंध में थाना में दी गयी सूचना की एक प्रति या मुखिया / वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र यदि दुर्घटना के संबंध में थाना का सूचित करना कानूनन आवश्यक नहीं हो, तो,
(ङ) अपंगता प्रमाण पत्र जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत हों (सरकारी अस्थि शल्य चिकित्सक द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र अवमान्य होगा)
(च) मुखिया / पंचायत का वार्ड सदस्य / सदस्य पंचायत समिति / शहरी क्षेत्र के लिए वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र जिसमें आवेदक के कार्य की प्रकृति विनिर्दिष्ट हो जिसमें वह कार्यरत है/था।
मैं घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त सूचना मेरी जानकारी में सही है।
मैं घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त सूचना गलत पाई जाती है तो मेरा दावा अवैधानिक करार दिया जाएगा एवं मुझ पर कानून के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा।

साक्षी

1. नाम एवं पता
(क)
(ख)

दावेदारों का हस्ताक्षर

* आवेदक को पावती के साथ एक प्रति लौटा दी जाएगी ।

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी का कार्यालय—

जिला —

जॉच प्रतिवेदन

- (a) दावेदार की वैधता —
 (b) निःशक्तता के कारण के संबंध में मंतव्य
 (c) निःशक्तता की प्रकृति के संबंध में मंतव्य —पूर्ण स्थायी निःशक्तता / आंशिक निःशक्तता
 (d) क्या दावेदार असंगठित क्षेत्र का कामगार / शिल्पकार है/था — हॉ/नहीं
 (e) यदि हॉ, तो कार्य की प्रकृति —
 (f) दावेदार की उम्र —
 दावों की जॉच मेरे द्वारा की गई। जॉच प्रतिवेदन संलग्न है। मैं अनुशंसा करता हूँ कि दावे को निम्न कारणों से स्वीकृत / अस्वीकृत किया जा सकता है :—

स्थान —

दिनांक—

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी का
हस्ताक्षर (मुहर)

जिला पदाधिकारी का कार्यालय —

दावा की जॉच(पदाधिकारी का नाम) द्वारा की गयी एवं उनका निष्कर्ष स्वीकार योग्य है / स्वीकार योग्य नहीं है। दावा को स्वीकृत किया जाता है एवं यह आदेश दिया जाता है कि दावेदार को बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, 2011 के तहत रु0— का भुगतान किया जाए / दावा को निम्नांकित आधार पर अस्वीकृत किया जाता है :—

श्रम अधीक्षक /

सहायक श्रमायुक्त

या

जिला पदाधिकारी द्वारा अधिकृत पदाधिकारी

जिला पदाधिकारी
का हस्ताक्षर (मुहर) ।

स्थान —

तारीख —

आवेदक श्री.....पता
 को रुपयेका भुगतान तारीख..... को चेक / बैंक
 ड्राफ्ट संख्या तारीख जारी करने वाले बैंक का नाम
 द्वारा किया गया ।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का हस्ताक्षर
एवं मुहर

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग
प्रपत्र-3

बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, 2011 के अधीन छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु प्रपत्र ।

(तीन प्रतियों में प्रधानाध्यापक / प्राचार्य उच्च विद्यालय / इन्टरमिडिएट कॉलेज / सरकारी आई.टी.आई. / सरकारी पोलिटेक्निक को समर्पित किया जाएगा।*)

सेवा में,

कार्यकारी निदेशक,
बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति,
श्रम संसाधन विभाग, पटना, बिहार ।

द्वारा :-

प्रधानाध्यापक / प्राचार्य

----- (संस्थान का नाम)

महाशय,

मैं यह आवेदन बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगारों एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, 2011 के अधीन छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु दे रहा/रही हूँ । मेरे पिता/माता असंगठित कार्य क्षेत्र में कार्यरत एक कामगार/शिल्पकार हैं । मैं उच्च विद्यालय / इन्टरमिडिएट कॉलेज / औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान / पोलिटेक्निक में वर्ग / व्यवसाय / अध्ययन का विषय का विद्यार्थी हूँ । मेरा ब्योरे वार विवरण निम्नलिखित है :-

1. नाम
2. पिता/माता का नाम एवं उम्र
3. पिता / माता का पूरा पता
.....
4. पिता/माता का व्यवसाय
5. भाई एवं बहन का नाम, अगर वे इस योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हों ।
.....
6. निम्नलिखित दस्तावेज इस आवेदन के साथ संलग्न किये जा रहे हैं :-
 - (i) पिता/माता का आवासीय प्रमाण-पत्र
 - (ii) आवेदक के भाई बहनों की संख्या एवं वे इस योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं या नहीं के संबंध में शपथ पत्र
 - (iii) मुखिया / पंचायत का वार्ड सदस्य / सदस्य पंचायत समिति / संबंधित वार्ड पार्षद द्वारा आवेदक के माता/पिता के कार्य की प्रकृति को विनिर्दिष्ट करने संबंधी निर्गत प्रमाण पत्र
 - (iv) पिता / माता की मुखिया / पंचायत का वार्ड सदस्य / सदस्य पंचायत समिति / संबंधित वार्ड पार्षद द्वारा अभिप्रमाणित तस्वीर ।

(v) संस्थान के प्रधान द्वारा आवेदक की अभिप्रमाणित तस्वीर ।

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर दी गयी सूचनाएँ मेरी जानकारी में सही हैं ।

मैं घोषणा करता हूँ कि अगर कोई सूचना गलत पायी जाती है, तो मेरा दावा अवैधानिक करार दिया जाएगा और मैं कानून के अधीन अभियोजन का पात्र होऊँगा ।

स्थान —

तिथि

आवेदक का हस्ताक्षर

प्रधानाध्यापक / उच्च विद्यालय के प्राचार्य / इन्टरमीडिएट महा विद्यालय /
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान / पोलिटेक्निक -----जिला-----

यह प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर उल्लेखित आवेदक श्री / कुमारी.....पुत्र
/ पुत्री श्री / श्रीमतीनिवासी
मेरे संस्थान से वर्ग / व्यवसाय / अध्ययन का विषय के छात्र हैं । मैंने उनके द्वारा प्रदत्त
प्रमाण पत्र से जाँच पड़ताल की है कि वह असंगठित क्षेत्र कामगार / शिल्पकार का पुत्र / पुत्री है ।

मैं बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना 2011 के
अधीन छात्रवृत्ति अनुदान हेतु आवेदन की अनुशंसा एवं अग्रसारण करता हूँ ।

स्थान

तिथि

प्रधानाध्यापक / प्राचार्य का नाम एवं

हस्ताक्षर (संस्थान का मुहर)

*पावती के बाद आवेदन की एक प्रति आवेदक को लौटा दी जाएगी ।

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग

बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति का कार्यालय पटना, बिहार ।

श्री/कुमारीपुत्र / पुत्री श्री / श्रीमतीनिवासी
..... जो वर्ग / व्यवसाय / अध्ययन का विषय
..... में (संस्थान का नाम एवं पता) के विद्यार्थी हैं, का प्रधानाध्यापक /
प्राचार्य के पत्रांक.....दिनांक..... द्वारा प्रेषित आवेदन की जाँच की गयी । उनका/ उनकी बिहार
शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, 2011 के अन्तर्गत छात्रवृत्ति अनुदान
के आवेदन को निम्नांकित आधार पर स्वीकृत/अस्वीकृत किया जाता है ।

आवेदक इस योजना के अन्तर्गतरुपयेप्रति माह छात्रवृत्ति हेतु योग्य हैं ।
वार्षिक किस्त हेतु कुलरुपये स्वीकृत किये जाते हैं ।

स्थान

तिथि

स्वीकृत करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं हस्ताक्षर
()

कार्यालय मुहर

चेक / बैंक ड्राफ्ट संख्या - तिथि बैंक का नाम
..... शाखा.....रुपये.....जो श्री कुमारीपिता/माता श्री/श्रीमती
.....के नाम से जारी किया जाता है, को प्रधानाध्यापक /प्राचार्य (संस्थान का नाम)
तिथिको निबंधित पत्र से उसको / उसकी विधिमान्य जॉचोपरान्त भुगतान हेतु भेजा गया ।

यदि आवश्यक न हो तो काट दिया जाय ।

लेखापाल/लेखाधिकारी का नाम एवं हस्ताक्षर
()

प्रधानाध्यापक / प्राचार्य उच्च विद्यालय / इन्टरमीडिएट महाविद्यालय / औद्योगिक प्रशिक्षण
संस्थान

प्रपत्र-4

बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना,
2011 के अधीन प्रदत्त छात्रवृत्ति का उपयोगिता प्रमाण-पत्र।

यह प्रमाणित किया जाता है कि बिहार राज्य श्रम कल्याण समिति से प्राप्त चेक / डिमांड ड्राफ्ट संख्या
..... तिथि बैंक शाखा
राशि..... जो इस संस्थान के श्री /कुमारी..... पिता/माता श्री/श्रीमती
.....वर्ग / व्यवसाय / अध्ययन का विषयके नाम से जारी किया गया है, उन्हें विधिमान्य
जॉचोपरान्त भुगतान कर दिया गया है ।

प्रधानाध्यापक / प्राचार्य का नाम एवं हस्ताक्षर

()

मुहर

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग
प्रपत्र-5

बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, 2011 के अधीन दुर्घटना के फलस्वरूप अस्पताल में भर्ती होने पर चिकित्सीय सहायता हेतु आवेदन

(तीन प्रतियों में श्रम अधीक्षक/जिला पदाधिकारी को समर्पित किया जाएगा*)

1. (क) दावेदार का नाम
- (ख) उम्र
- (ग) कार्य का स्थान
- (घ) कार्य की प्रगति
- (ङ.) पता- गाँव/मुहल्ला
- पो0पंचायत/वार्ड.....
- थानाअंचल/प्रखंड.....
- जिला.....
2. दुर्घटना/ अस्पतालीकरण का विवरण :
 - (क) दुर्घटना की तिथि.....
 - (ख) समयपूर्वाहन/अपराहन्
 - (ग) स्थान
 - (घ) दुर्घटना का विस्तृत ब्योरा
 - (ङ) जिस अस्पताल में भर्ती हैं/थे, उसका नाम तथा पूर्ण पता
 - (च) अस्पताल में भर्ती की तिथि
 - (छ) अस्पताल से छुट्टी की तिथि
 - (ज) अस्पताल में भर्ती रहने की पूरी अवधि
3. उपचार करने वाले चिकित्सक/ सर्जन का प्रमाण पत्र :

प्रमाणित किया जाता है कि श्री पता

..... दुर्घटना में घायल हुए थे एवं (अस्पताल का नाम) में मेरे उपचार में भर्ती हुए थे।

वे दिनों तक अस्पताल में मेरे उपचार में भर्ती रहे। उन्हें लगी चोट का विवरण निम्नानुसार है :

.....

.....

.....
4. दस्तावेज संलग्न : इस आवेदन के साथ निम्नांकित दस्तावेज संलग्न है :-
 - (i) आवासीय प्रमाण पत्र,
 - (ii) अस्पताल में भर्ती होने का प्रमाण पत्र,
 - (iii) दुर्घटना के बारे में थाना को दी गई सूचना की प्रति या मुखिया/पंचायत का वार्ड सदस्य, शहरी क्षेत्र के मामले में वार्ड पार्षद द्वारा दुर्घटना के बारे में दिया गया प्रमाण पत्र यदि कानून के तहत थाना को सूचित करना आवश्यक नहीं है,
 - (iv) उम्र का प्रमाण पत्र,
 - (v) मुखिया/पंचायत के वार्ड सदस्य/पंचायत समिति के सदस्य या शहरी क्षेत्र के मामले में संबंधित वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत आवेदक के कार्य की प्रकृति को विनिर्दिष्ट करने वाला प्रमाण पत्र
 - (vi) एक स्व अभिप्रमाणित तस्वीर जो व्यक्ति के चोट एवं अस्पताल में भर्ती होने को दर्शाता हो।

मैं घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त सूचना मेरी जानकारी में सही है।

मैं घोषणा करता हूँ कि यदि कोई सूचना गलत पाया गया तो मेरा दावा अवैध समझा जाएगा।

साक्षी

1. नाम एवं पता
- (क)
- (ख)

दावेदार का हस्ताक्षर

* एक प्रति पावती के साथ आवेदक को लौटा दिया जाएगा।

जिला पदाधिकारी का कार्यालय.....

दावा की जाँच की गयी एवं सही/गलत पाया गया दावा स्वीकृत किया जाता है तथा यह आदेश दिया जाता है कि दावेदार को ₹0..... का भुगतान बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, 2011 के अधीन किया जाए/ दावा को निम्न कारणों से अस्वीकृत किया जाता है:

श्रम अधीक्षक/

सहायक श्रमायुक्त

या

जिला पदाधिकारी द्वारा

प्राधिकृत पदाधिकारी

स्थान.....

तिथि.....

जिला पदाधिकारी का हस्ताक्षर

(मुहर)

दावेदार श्रीनिवासीको

₹0 का तिथि को चेक/डिमांड ड्रॉफ्ट सं0 तिथि

.जारी करनेवाले बैंक का नाम द्वारा भुगतान किया गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का हस्ताक्षर एवं मुहर

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग
प्रपत्र-6

बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, 2011 के अधीन
असाध्य रोगों में चिकित्सीय सहायता हेतु आवेदन
(तीन प्रतियों में श्रम अधीक्षक/जिला पदाधिकारी को समर्पित किया जाएगा*)

1. (क) दावेदार का नाम
- (ख) उम्र
- (ग) कार्य का स्थान
- (घ) कार्य की प्रगति
- (ङ.) पता- गाँव/मुहल्ला
- पो0पंचायत/वार्ड.....
- थानाअंचल/प्रखंड.....
- जिला.....
2. असाध्य रोग का विवरण :
3. उपचार करनेवाले अस्पताल/चिकित्सक का नाम एवं पता(यदि लागू हो)
4. दस्तावेज संलग्न : इस आवेदन के साथ निम्नांकित दस्तावेज संलग्न हैं :
 - (i) आवासीय प्रमाण पत्र,
 - (ii) आवेदक के बीमारी की प्रकृति के बारे में इलाज कर रहे मेडिकल एटेंडेंट/अस्पताल का प्रमाण पत्र,
 - (iii) उम्र का प्रमाण पत्र,
 - (iv) मुखिया/पंचायत के वार्ड सदस्य/पंचायत समिति के सदस्य या शहरी क्षेत्र में संबंधित वार्ड पार्षद द्वारा निर्गत आवेदक किस प्रकृति के कार्य में नियोजित हैं/ थे का प्रमाण पत्र
 - (v) एक स्व अभिप्रमाणित तस्वीर

मैं घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त सूचना मेरी जानकारी में सही है।

मैं घोषणा करता हूँ कि यदि कोई सूचना गलत पाई गई तो मेरा दावा अवैध हो जाएगा और मुझे कानून के तहत अभियोजित किया जाएगा।

साक्षी

1. नाम एवं पता

(क)

(ख)

दावेदार का हस्ताक्षर

* एक प्रति पावती के साथ आवेदक को लौटा दिया जाएगा।

जिला पदाधिकारी का कार्यालय

दावा का जाँच किया गया एवं सही/गलत पाया गया है। दावा स्वीकृत किया जाता है तथा यह आदेश दिया जाता है कि दावेदार को रू0..... का भुगतान बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, 2011 के अंतर्गत किया जाए/ दावा को निम्न कारणों से अस्वीकृत किया जाता है:

श्रम अधीक्षक/

सहायक श्रमायुक्त

या

जिला पदाधिकारी द्वारा

प्राधिकृत पदाधिकारी

स्थान.....

तिथि.....

जिला पदाधिकारी का हस्ताक्षर

(मुहर)

दावेदार श्रीनिवासीको

रू0 का तिथि को चेक/डिमांड ड्रॉफ्ट सं0 तिथि

.जारी करनेवाले बैंक का नाम द्वारा भुगतान किया गया है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी का हस्ताक्षर एवं मुहर

The 19th March 2012

S.O. 88, dated 30th March 2012—Whereas the State Government is satisfied that it is necessary to provide safety net to the State's unorganized sector workers and artisans, working in the State, in the event of their death, disabilities and injuries arising on account of accidents, to provide assistance in cases of serious ailments, to provide scholarship to their children for pursuing school, vocational and technical education and to frame the "Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme 2011" to achieve the said objectives.

Now, therefore, in public interest and in order to achieve the objectives as contained in Article 39(e) of the Constitution of India, the Governor of Bihar hereby makes the following Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme 2011:-

"Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme 2011"

1. Short title, extent & commencement: - (1) This scheme may be called the Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme 2011.

(2) It will extend to the whole of the State of Bihar.

(3) It will come into force from 1st April, 2011.

2. Definitions: - (1) In this scheme, unless the context otherwise requires -

(a) "Accident" means accident caused by external violence which is apparent in nature and shall include

Train or road accident, electric shock, snake-bite, drowning, fire burn, falling from tree or building, attack by wild animals, terrorist or criminal attack etc. However, this list is illustrative and not exhaustive:

Provided that, it shall not include self inflicted injury or suicide or accident caused under inebriated condition or death or disability suffered while committing criminal offences;

(b) "Accidental death" means death caused by an accident:

Provided that, death occurring within 180 days of the happening of the bodily injury resulting solely and directly from the accident and independently of any other cause shall be covered under this scheme;

(c) "Artisan" means a self employed domicile of the State who works in the State and earns his livelihood from avocations like black smithy(Lohargiri), basket making, bullock/ cycle/ hand cart pulling, carpentry(Badhaigiri), cattle rearing, cattle grazing, cloth dyeing (Rangrezgiri), cycle rickshaw pulling, doll making, earthen pot making (kumhargiri), embroidery, fishing and boat driving (Mallahgiri), hair dressing, handicraft, idol making, madari show, auto rickshaw driving, rope making, shoe making/repairing, sheep/goat rearing, sewing, stitching (Rafoogar), stone cutting, street hawking, street vendors, utensil making (Thathera), vegetable and fruit vendors, weaving and any other avocation of like nature. However, this list is illustrative and not exhaustive;

(d) "Block Development Officer" means Development Officer of the Blocks appointed by the State Government;

(e) "Circle Officer" means Circle Officer of the Circles (Anchals) appointed by the State Government;

(f) "Dependent" means widow of the deceased and husband in case of female persons,

dependent son, unmarried daughter and parents; incase of deceased unmarried persons, father and mother jointly;

Note: - The grant on account of death shall be distributed among all dependents in equal proportion.

(g) **“District Magistrate”** means District Magistrate and Collector of the district appointed by the State Government. This will also include the Additional Collector and/or Additional District Magistrate and senior Deputy Collector posted in the district and specially empowered by the District Magistrate to carry out all or any function assigned to him under this scheme;

(h) **“Incurable disease”** means any of the diseases mentioned in the schedule I of this scheme;

(i) **“Labour Superintendent”** means Labour Superintendent in charge of a district appointed by the State Government;

(j) **“Natural Death”** means death caused by natural causes and not by any accident;

(k) **“Permanent Partial Disability”** means loss of one eye or one limb due to an accident and includes cases of paralysis of one limb caused due to accident or otherwise;

(l) **“Permanent Total Disability”** means loss of two eyes or two limbs or loss of one eye and one limb due to an accident and includes cases of paralysis of two limbs or brain caused due to accident or otherwise;

(m) **“Scheme”** means Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme 2011;

(n) **“Society”** means the Bihar State Labour Welfare Society established by the State Government by this name and its successor;

(o) **“State Government”** means the Government of Bihar;

(p) **“Unorganized Sector”** means the employments included in the list of scheduled employments under the Minimum Wages Act, 1948;

(q) **“Worker”** means a domicile of the State of Bihar working for wages in the unorganized sector in the State;

(2) Words and expressions used herein but not defined shall have the same meaning as widely understood in the State of Bihar.

3. This scheme shall also apply in cases of death caused by atomic radiation and war.

4. This scheme shall apply to all workers and artisans falling in the age group of 18 to 65 years as on the 1st July of the calendar year in which the accident occurred.

Provided that, this scheme shall not apply to the persons who are covered under centrally sponsored Aam Aadmi Bima Yojana (AABY).

Provided further that, the scheme shall not apply to the construction workers registered under the Building and other Construction Workers (Conditions of Service) Act, 1996 and Rules made there under.

5. Circle Officer shall decide legal dependent (s) in the above order of the descendants. If there is any dispute against the dependent (s) as decided by the Circle Officer, an appeal shall lie before the District Magistrate whose decision shall be final.

Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme

6. The name of the scheme shall be the Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme and following benefits shall be payable to the workers and artisans or their dependents and children, as the case may be, under the scheme:

(1) In case of accidental death of a worker or artisan, a grant of Rs. 1 (One) lakh shall be paid to his legal dependent (s).

(2) In case of natural death of a worker or artisan, a grant of Rs. 30,000 (thirty thousand rupees) shall be paid to his legal dependent (s).

(3) In case of permanent total disability of a worker or artisan, a grant of Rs. 75,000 (seventy five thousands rupees) shall be paid to him.

(4) In case of permanent partial disability of a worker or artisan, a grant of Rs. 37,500 (thirty seven thousands five hundred rupees) shall be paid to him.

(5) An amount @ Rs 100 (one hundred rupees) per month, in one yearly installment of Rs 1200/ for 12 months, shall be paid as scholarship to the maximum of two children of a worker or artisan studying in classes 9th to 12th, Government Polytechnics and long term trades in Government Industrial Training Institutes in the State of Bihar. However, if the child fails in an examination, the financial assistance shall not be paid next year to him.

(6) In case a worker or artisan suffers injury in an accident causing his hospitalization for a minimum period of five days, he shall be paid a medical assistance of Rs 5000 to take care of his medical and other related expenses.

(7) A worker or artisan suffering from incurable diseases prescribed in schedule I of this scheme

shall be paid medical assistance to take care of his medical and related expenses at the rates prescribed in the said schedule.

However, such medical assistance shall be independent of any other assistance which he may receive under any other scheme framed by the State or Central Government.

(8) The payments under the scheme shall be made by way of crossed cheque/ demand draft.

7. Procedure to avail the benefits under the Scheme:-

(1) Death Cases: - (a) Application for grant in cases of natural death and accidental death may be given, as soon as possible from the date of such occurrence, in Form-1 to the concerned Block Development Officer/ Labour Superintendent / District Magistrate. These application forms shall be kept in sufficient number at all district offices/ Sub-divisional offices/ Block offices and Panchayat/municipal offices.

(b) In case of non- availability of Form, application may be given on plain paper with all necessary documents.

(c) The following documents shall be attached with the aforesaid application:

(i) Residential Certificate of the deceased

(ii) Dependent(s) Certificate issued by the circle officer

(iii) Death Certificate issued by competent authority (In case of accidental death, a certificate issued by a doctor not below the rank of a Government Medical Officer shall be required)

(iv) A copy of the information given in the police station regarding the accident/ Certificate of Mukhiya/Ward Councilor regarding the accident if informing police station was not required under law

(v) Death Certificate or Inquest report or panchnama, as the case may be (in case of accidental death only)

(vi) Proof of age of the deceased

(vii) Certificate issued by the concerned Mukhiya/ Ward member of the panchayat/Member of the Panchayat Samitee or the concerned Ward Councilor in the urban area, as the case may be, specifying the nature of work, the deceased was engaged in.

(2) Disability Cases: - (a) Application for grant in cases of permanent total disability or partial disability may be given, as soon as possible from the date of such occurrence, in Form-2, to the concerned Block Development Officer/ Labour Superintendent / District Magistrate. These forms shall be kept in sufficient numbers at all district offices/ Sub-divisional offices/ Block offices and offices of Panchayats.

(b) In case of non- availability of Form-2, application may be given on plain paper with all necessary documents.

(c) The following documents shall be attached with the aforesaid application:

- (i) Residential certificate
- (ii) Proof of Age
- (iii) A photograph of the applicant showing his disability condition
- (iv) A copy of the information given in the police station regarding the accident or Certificate of Mukhiya/Ward Councilor regarding the accident if informing police station was not required under law
- (v) Disability Certificate issued by competent authority (a certificate issued by a Government orthopedic surgeon shall be required)
- (vi) Certificate issued by the Mukhiya/ Ward member of the panchayat/Member of the panchayat samitee/Ward Councilor in case of urban area specifying the nature of work the applicant is/ was engaged in.

(3) Scholarship to the Children: - (a) Application for scholarship may be submitted to the Executive Director, Bihar State Labour Welfare Society, Patna, in Form-3, together with required documents, through the Head Master of the High School / Principal of the Intermediate College or the Industrial Training Institute/Polytechnic, as the case may be, in which the applicant is studying. These forms shall be kept in sufficient numbers at all district offices/ Sub- divisional offices/ Block offices/ Panchayat/municipal offices, High Schools/Intermediate Colleges and Industrial Training Institutes/Polytechnics.

(b) In case of non- availability of Form-3, application may be given on plain paper with all necessary documents.

(c) The Head Master of the High School / Principal of the Intermediate College or the Industrial Training Institute/Polytechnic shall, after checking that the application is in order, forward and recommend the claim to the Executive Director, Bihar State Labour Welfare Society, Patna.

(d) The following documents shall be attached with the aforesaid application:-

- (i) Proof of age of the parent who is a worker or artisan
- (ii) Residential certificate of the parent
- (iii) Certificate issued by the concerned Mukhiya/ Ward member of the panchayat/Member of the panchayat samitee or the concerned Ward Councilor, as the case may be, specifying the nature of work the parent of the applicant is engaged in.
- (iv) Photograph of the parent attested by the concerned Mukhiya/ Ward member of the panchayat/Member of the panchayat samitee or the concerned Ward Councilor, as the case may be.
- (v) Photograph of the student attested by the Head of the Institution

(4) Medical Assistance in case of hospitalization after injury:- (a) Application for grant of medical assistance in case a worker or artisan suffers injury in an accident causing his hospitalization, as soon as possible from the date of such occurrence, shall be submitted in Form-5 to the Labour Superintendent/ District Magistrate. These forms shall be kept in sufficient numbers at all district offices/ Sub- divisional offices/ Block offices and Panchayat/municipal offices.

(b) In case of non- availability of Form, application may be given on plain paper with all necessary documents.

(c) The following documents shall be attached with the aforesaid application:

- (i) Residential Certificate
- (ii) Certificate of hospitalization
- (iii) Copy of the information given in the police station regarding the accident or Certificate of Mukhiya/Ward Councilor in case of urban area, as the case may be, regarding the accident if informing police station was not required under law

(iv) Proof of age

(v) Certificate issued by the Mukhiya/ Ward Member of the panchayat/Member of the panchayat samitee or the concerned Ward Councilor in the urban area, as the case may be, specifying the nature of work the applicant was engaged in.

(vi) A self attested photograph of the person showing his injury and hospitalization

(5) Medical Assistance in case of incurable diseases: - (a) Application for grant of medical assistance in case a worker or artisan suffers from incurable diseases shall be submitted in Form-6 to the Labour Superintendent/ District Magistrate. These forms shall be kept in sufficient numbers at all district offices/ Sub- divisional offices/ Block offices and Panchayat/municipal offices.

(b) In case of non- availability of Form, application may be given on plain paper with all necessary documents.

(c) The following documents shall be attached with the aforesaid application:

(i) Residential Certificate

(ii) Certificate of the treating medical attendant/hospital regarding the nature of applicant's disease

(iii) Proof of age

(iv) Certificate issued by the Mukhiya/ Ward Member of the panchayat/Member of the panchayat samitee or the concerned Ward Councilor in the urban area, as the case may be, specifying the nature of work the applicant is/was engaged in.

(v) A self attested photograph

Disposal of the applications in death and disability cases

8. The District Magistrate/Labour Superintendent shall, immediately after receipt of the application for grant in death and disability cases, send it to the concerned Block Development Officer for enquiry and report.

9. (1) On receipt of the application, from the District Magistrate or Labour Superintendent as above or directly from the applicant, as the case may be, for grant in death or disability cases, the Block Development Officer shall immediately proceed to enquire into it.

(2) While making the enquiry, the Block Development Officer shall ascertain whether the deceased or the applicant in case of disability was/is a worker or artisan. He will then ascertain the cause of death or disability, age of the deceased or applicant in case of disability, and verify the legal dependent (s) of the deceased and enquire the claim.

(3) The enquiry shall be completed by the Block Development Officer within 14 days of the receipt of such application and the enquiry report shall be sent to the District Magistrate or Labour Superintendent, as the case may be, without undue delay.

(4) Such enquiry reports will be processed by the District Magistrate or the Labour Superintendent as quickly as possible. If the report is to be processed by the Labour Superintendent, he shall place such enquiry reports with his comments before the District Magistrate for appropriate action.

10. (1) If the District Magistrate deems fit, he may enquire the claim further either by himself or any senior officer subordinate to him. However, any such enquiry shall be completed within 21 days from the date of the receipt of the said report of the Block Development Officer.

(2) If the District Magistrate is satisfied with the enquiry report, he shall decide the claim within 30 days from the receipt of the enquiry report. In case the claim is sanctioned, the payment of the grant shall be made through crossed cheque / demand draft to the dependent (s) of the deceased or the applicant in case of disability upon proper

verification. In case, the claim is rejected, information to this effect with reasons shall be sent to the claimant as soon as possible.

11. A record of applications received/enquired and decisions taken shall be duly maintained in the offices of the Block Development Officers/ Labour Superintendents/District Magistrates.

Disposal of the applications for grant of scholarship to the children

12. The Executive Director, Bihar State Labour Welfare Society or any other authorized officer shall, immediately after receipt of an application for grant of scholarship, process it. If the claim is sanctioned, the cheque/demand draft of the financial assistance shall be sent to the Head Master/ Principal of the concerned School/College/Institute for making payment to the applicant. In case, the claim is rejected, information to this effect with reasons shall be sent to the claimant through the institution as soon as possible.

13. The application of scholarship shall be disposed of within 14 days of its receipt in the office of the Society.

14. The Head Master/Principal of the concerned High School/Intermediate college/Institute shall hand over concerned cheque/demand draft to make available to the respective student(s) upon proper verification and send the utilization certificate in Form-4 to the Society.

15. A record of applications received and decisions taken shall be duly maintained in the office of the Society.

Disposal of the applications for medical assistance in the cases of injury and incurable diseases

16. Upon receipt of the application for grant of medical assistance in the cases of injury and incurable diseases, the Labour Superintendent/District Magistrate shall process it promptly. If the application has been received by the labour superintendent, he shall after checking that the application is in order submit it with his comments to the District Magistrate for decision.

17. If the District Magistrate is satisfied with the claim, he shall decide the claim expeditiously. In deciding the claim, the District Magistrate may consult the Chief Medical Officer of the district. However, such consultation should not take undue time.

18. In case the claim is sanctioned, the payment of the grant shall be made through crossed cheque / demand draft to the applicant upon proper verification. In case, the claim is rejected, information to this effect with reasons shall be sent to the applicant as soon as possible.

19. The application for grant in case of hospitalization after injury shall be disposed of within 7 days of its receipt.

20. The application for grant in case of incurable diseases shall be disposed of within 14 days of its receipt.

21. A record of applications received/enquired and decisions taken shall be duly maintained in the offices of the Labour Superintendents/District Magistrates.

Appeal

22. A person aggrieved by any order of the District Magistrate or the Society, as the case may be, shall make an appeal before the Labour Commissioner, Bihar whose decision shall be final and binding. The Labour Commissioner shall dispose of all such appeals within 30 days of its filing.

Transparency in disposal of cases

23. A complete transparency shall be maintained at all levels in disposal of the cases under this scheme.

24. As a means to maintain transparency, all orders passed by the District Magistrate(s), Society or Labour Commissioner shall be brought in public domain by uploading the orders on the web site of the concerned districts, Society or Labour Commissioner, as the case may be, as soon as such order is passed.

25. The list of all beneficiaries shall be uploaded from time to time on the web sites of the concerned districts, Society and the Department of Labour Resources.

26. Nodal Authority

(1) Bihar State Labour Welfare Society, which has been established by the State Government under the administrative control of the Department of Labour Resources, shall be the nodal authority for implementing and monitoring the Scheme at the State level.

(2) The District Magistrate(s) shall be the nodal authority for implementing and monitoring the Scheme at the district level.

(3) Labour Superintendent/ Assistant Labour Commissioner, as the case may be, or any other officer authorized by the District Magistrate(s), shall be the in- charge of the Scheme in the districts. Such officer in charge shall be designated as the District Key Manager.

General

27. If a worker or artisan has an insurance policy, other than under Aam Aadmi Bima Yojana, he and his dependent (s) shall not be denied benefit under this Scheme.

28. All such officers who willfully fail to discharge their duties prescribed under this Scheme shall be liable for disciplinary action.

Removal of Difficulties

29. If any difficulty arises as to the interpretation or implementation of any provisions of this scheme, the Department of Labour Resources shall have the powers to remove difficulties and their decision shall be final and binding.

30. The Department of Labour Resources shall have the powers to issue instructions from time to time for implementation of the Scheme.

Amendment and Repeal

31. The State Government shall have the powers to amend or repeal any or all provisions of this scheme.

(No. aaby(c)-10/2008L&R—1196)

By order of the Governor of Bihar,

VYAS JI,

Principal Secretary to the Government.

Schedule 1

List of Incurable Diseases and Rate of Medical Assistance			
S.No.	Name of disease	Nature of Treatment	Amount of Medical Assistance (Rs)
1.	Cancer	Surgical (with surgery)	25000
		Non Surgical (without surgery)	15000
2.	Heart diseases	D.V.R.(Double Valve Replacement	30000
		M.V.R. (Mitral Valve Replacement)	25000
		Pace Maker	25000
		Stenosis/Baloon Valvotomy	15000
		CABG(Coronary Artery Bypass Graph)	25000
		PTCA Percutaneous Transluminous Coronary Angio Plasty	25000
		ASD (Atrial Septal Defects)/V.S.D.	15000
3	Renal(Kidney) Disease	Surgical (with surgery)	30000
4	Brain Tumors	Minor Surgery	10000
		Major Surgery	20000
5	AIDS	As decided by the medical attendant	25000
6	Total Hip or Knee Replacement	Surgery	10000
7	Major Vascular Surgery	Surgery	10000
8	Bone Marrow Transplantation	Surgery	10000
9	Spinal surgery	Surgery	7500

Government of Bihar
Department of Labour Resources

Form-1

**Claim Form for receipt of grant in the cases of Natural Death/Accidental Death
under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security
Scheme, 2011**

(To be submitted in Triplicate to B.D.O/ Labour Superintendent/ District Magistrate*)

1. (a) Name of deceased_____
- (b) Age_____
- (c) Place of work_____
- (d) Nature of work_____
- (e) Address- Village/Mohalla_____
- Panchayat/Ward _____ PO _____
- P.S _____ Anchal/Block _____
- District _____

#2. Statement of Accidental Death:

- (a) Date of Accident _____
- (b) Time _____ A.M./P.M.
- (c) Place _____
- (d) Details of Accident. _____
- (f) Date of Death & Time _____

#3. Statement of Natural death:

- (a) Date _____
- (b) Time _____ A.M./P.M.
- (c) Place _____
- (d) Cause of death _____
- (f) Date of Death & Time _____

4. Name and Designation of Authority issuing
Death Certificate / Post Mortem
Report (if applicable)

5. Details of Claimants: The dependent(s) of the deceased is/are as follows

- (i) Name _____ Address _____

Relation with the deceased _____

- (ii) Name _____ Address _____

Relation with deceased _____

(iii) Name _____ Address _____

Relation with deceased _____

6. Documents Enclosed: The following documents have been attached with this application-

- (i) Dependent(s) Certificate issued by Circle Officer (Anchal Adhikari)
- (ii) A copy of the information given in the police station regarding the accident/ Certificate of Mukhiya/Ward Councilor regarding the accident if informing police station was not required under law
- (iii) Death Certificate or Inquest report or panchnama, as the case may be (in case of accidental death only)
- (iv) Residential certificate of the deceased
- (v) Proof of Age of the deceased
- (v) Certificate issued by the Mukhiya/ Ward member of the panchayat/Member of the panchayat samitee/Ward Councilor in case of urban area specifying the nature of work the deceased was engaged in.

I / We declare that above information is correct to the best of my/our knowledge.

I / We declare that if any information is found to be false, my/our claim shall be deemed illegal and I/we shall be prosecuted under law.

Witnesses

1. Name & Address

(a)

1-

(b)

2-

3-

Signature of Claimant(s)

*One copy with acknowledgement shall be returned to the applicant

Strike off if not applicable

Office of the Block Development Officer_____
District_____

Enquiry Report

- (a) Genuineness of the dependent(s):
- (b) Opinion regarding cause of death:
- (c) Whether the deceased was a worker engaged in unorganized sector/artisan as defined under the rules? Yes/No
- (e) If yes, what kind of work he was engaged in?
- (f) Age of the deceased

The claim was enquired by me. The enquiry report is enclosed. I recommend that the claim may be sanctioned / rejected on the following grounds:

Place: _____

Date: _____

Signature of B.D.O

Seal

Office of the District Magistrate_____

The claim was enquired by _____ (Name of the Officer) and his findings are acceptable/not acceptable. The claim is sanctioned and it is ordered that the dependent(s) be paid Rs..... under the Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011 / the claim is rejected on the following grounds:

**Labour Superintendent/
Assistant Labour Commissioner
Or
an officer authorised
by the District Magistrate**

Signature of District Magistrate**(Seal)**

Place: _____

Date:- _____

The dependent(s) Shri....., Shri.....,
Shri.....has been paid Rs..... on datedvide Cheque/Demand
Draft No..... dated.....drawn on Bank.....

Signature and seal of the authorized signatory

Government of Bihar
Department of Labour Resources

Form-2

Claim Form for receipt of grant in the cases of Total permanent/partial disability under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011

(To be submitted in Triplicate to B.D.O/ Labour Superintendent/ District Magistrate*)

1. (a) Name of the claimant _____
 (b) Age _____
 (c) Place of work _____
 (d) Nature of work _____
 (e) Address- Village/Mohalla _____
 Panchayat/Ward _____ PO _____
 P.S _____ Anchal/Block _____
 District _____.
2. Statement of Accident:
 (a) Date of Accident _____
 (b) Time _____ A.M./P.M.
 (c) Place _____
 (d) Details of Accident. _____
3. Statement of Disability:
 (a) Details of disability _____
 (b) Type of disability: Total permanent/partial disability
4. Name and Designation of the Authority issuing Disability Certificate:
5. Documents Enclosed: The following documents in respect of the claimant have been attached with this application-
 (i) Residential certificate
 (ii) Proof of Age
 (iii) A photograph of the applicant showing his disability condition
 (iv) A copy of the information given in the police station regarding the accident/ Certificate of Mukhiya/Ward Councilor regarding the accident if informing police station was not required under law
 (v) Disability Certificate issued by competent authority (a certificate issued by a Government orthopedic surgeon shall be required)
 (vi) Certificate issued by the Mukhiya/ Ward member of the panchayat/Member of the panchayat samitee/Ward Councilor in case of urban area specifying the nature of work the applicant is/ was engaged in.

I declare that above information is correct to the best of my knowledge.

I declare that if any information is found to be false, my claim shall be deemed illegal and I shall be prosecuted under law.

Witnesses

1. Name & Address
 - (a)
 - (b)

Signature of the Claimant

*One copy with acknowledgement shall be returned to the applicant

Office of the Block Development Officer_____
District_____

Enquiry Report

- (a) Genuineness of the claimant: _____
- (b) Opinion regarding cause of disability: _____
- (c) Opinion about type of disability: Total permanent disability/partial disability
- (d) Whether the claimant is/was an unorganized sector worker /artisan? Yes/No
- (e) If yes, what is the nature of his work ? _____
- (f) Age of the claimant _____

The claim was enquired by me. The enquiry report is enclosed. I recommend that the claim may be sanctioned / rejected on the following grounds:

Place: _____

Date: _____

Signature of B.D.O

(Seal)

Office of the District Magistrate_____

The claim was enquired by _____ (Name of the Officer) and his findings are acceptable/not acceptable. The claim is sanctioned and it is ordered that the claimant be paid Rs..... under the Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011/ the claim is rejected on the following grounds:

**Labour Superintendent/
Assistant Labour Commissioner
or
an officer authorised
by the District Magistrate**

Signature of District Magistrate

(Seal)

Place: _____

Date:- _____

The claimant Shri....., r/o..... has been paid Rs..... on datedvide Cheque/Demand Draft No..... dated.....drawn on Bank.....

Signature and seal of the authorized signatory

**Government of Bihar
Department of Labour Resources**

Form-3

Form for receipt of scholarship under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011

(To be submitted in Triplicate to Head Master/Principal of the High School/Intermediate College/ Government ITI/ Government Polytechnics*)

To,
The Executive Director
Bihar State Labour Welfare Society
Department of Labour Resources
Patna, Bihar

Through,
The Head Master/Principal
_____ (Name of the Institution)

Sir,
I am making this application for grant of scholarship under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Rules, 2011. My father/mother is an unorganized sector worker/artisan. I am a student of class/trade/discipline _____ in the High School/Intermediate College/ITI/Polytechnic _____.
My particulars are as follows:

1. Name _____

2. Father/Mother's Name & Age _____

3. Father/Mother's Complete Address _____

4. Occupation of Father/Mother _____

5. Name of brothers/Sisters, if any, getting scholarship under this scheme _____

6. Following documents are enclosed with this application

-
- i. Residence Certificate of Father/Mother
ii. Affidavit regarding number of brothers and sisters of the applicant and whether they are getting scholarship under the scheme
-

iii. Certificate issued by Mukhiya/Panchayat Ward Member/ Member Panchayat Samity/Ward Councilor in case of urban areas specifying the nature of work the father/mother of the applicant is engaged in.

iv. Photograph of the father/mother attested by the concerned Mukhiya/ Ward member of the panchayat/Member of the panchayat samitee or the concerned Ward Councilor, as the case may be.

v. Photograph of the applicant attested by the Head of the Institution.

I certify that all particulars given above are true to the best of my knowledge.

I declare that if any information is found to be false, my claim shall be deemed illegal and I shall be prosecuted under law.

Signature of the applicant

Date:

Place:

**Office of the Head Master/Principal of High School/Intermediate College/Industrial
Training Institute/Polytechnic _____ District _____**

This is certified that the above mentioned applicant Shri/Kumari
_____/s/d/o Shri/Smt _____
r/o _____ is a student of class/Trade/discipline
_____ of my institution. I have verified from the certificates furnished by
him that he/she is son/daughter of an unorganized sector worker/artisan. The particulars
furnished by him/her are true to the best of my knowledge.

I recommend and forward this application for grant of scholarship to him/her as per
existing provisions made under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans
Social Security Scheme, 2011.

Name and signature of the Head Master/Principal

(_____)

Date:

Place:

Seal of the Institution

*One copy of the application shall be returned to the applicant after acknowledging.

Government of Bihar
Department of Labour Resources
Office of the Bihar State Labour Welfare Society
Patna, Bihar

The application of Shri/Kumari _____s/d/o Shri/Smt _____r/o _____ who is a student of class/Trade/discipline _____ in _____ (Name and address of the Institution) received vide Head Master/Principal letter no. _____dated _____has been examined. His/her application for grant of scholarship under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011 is sanctioned/rejected on following grounds:

#The applicant is eligible to get scholarship @ Rs 100 per month under the scheme. The yearly installment amounting to Rs 1200 is sanctioned.

Name and signature of the sanctioning authority

(_____)

Date:

Place:

Office Seal

Cheque/ DD No. _____dated _____drawn on Bank _____Branch _____amounting to Rs_____issued in the name of Shri/Kumari _____S/D/o Shri/Smt _____sent to Head Master/Principal of (Name of the Institution) _____on dated _____ by registered post for making payment to him/her upon proper verification.

Name and signature of Accountant/Accounts Officer

(_____)

Delete if not applicable

**Office of the Head Master/Principal of High School/Intermediate College/Industrial
Training Institute**

FORM-4**Utilization Certificate regarding payment of scholarship under Bihar Shatabdi
Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011**

This is to certify that a cheque/DD No. _____ Dated _____, received from the Bihar State Labour Welfare Society, drawn on Bank _____ Branch _____ amounting to _____ issued in favour of Shri/Kumari _____ S/D/o Shri/Smt _____ of class/trade/discipline _____ of this institution has been paid to him/her upon proper verification.

Name and signature of the Head Master/Principal

(_____)

Seal

Government of Bihar
Department of Labour Resources

Form-5

Application for Medical Assistance in the cases of hospitalization after injury under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011

(To be submitted in triplicate to Labour Superintendent/ District Magistrate*)

1. (a) Name of the claimant _____
 (b) Age _____
 (c) Place of work _____
 (d) Nature of work _____
 (e) Address- Village/Mohalla _____
 PO _____ Panchayat/Ward _____
 P.S _____ Anchal/Block _____
 District _____

2. Statement of Accident/hospitalization:

- (a) Date of Accident _____
- (b) Time _____ A.M./P.M.
- (c) Place _____
- (d) Details of Accident. _____
- (e) Name and full address of the hospital where admitted for treatment _____
- (e) Date of admission in the hospital _____
- (f) Date of discharge from the hospital _____
- (g) Total period of hospitalization _____

3. Certificate of the attending physician/surgeon:

This is to certify that Shri _____ Address _____ was injured in an accident and was admitted in the hospital _____ (name of the hospital) under my treatment. He remained under treatment in the hospital for _____ days. Details of his injuries are as below:

4. Documents Enclosed: The following documents have been attached with this application-

- (i) Residential Certificate
- (ii) Discharge certificate issued by the hospital
- (iii) Copy of the information given in the police station regarding the accident or Certificate of Mukhiya/ward member of the panchayat/ward commissioner in case of urban area, as the case may be, regarding the accident if informing police station was not required under law

(iv) Proof of age

(v) Certificate issued by the Mukhiya/ Ward Member of the panchayat/Member of the panchayat samitee or the concerned Ward Commissioner in the urban area, as the case may be, specifying the nature of work the applicant is/ was engaged in.

(vi) A self attested photograph of person showing his injury and hospitalization

I declare that above information is correct to the best of my knowledge.

I declare that if any information is found to be false, my claim shall be deemed illegal.

Witnesses

1. Name & Address

(a)

(b)

Signature of Claimant

*One copy with acknowledgement shall be returned to the applicant

Office of the District Magistrate_____

The claim has been examined and found correct/incorrect. The claim is sanctioned and it is ordered that the claimant be paid Rs..... under the Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011 / the claim is rejected on the following grounds:

**Labour Superintendent/
Assistant Labour Commissioner
or
an officer authorised
by the District Magistrate**

**Signature of District Magistrate
(Seal)**

Place: _____

Date:- _____

The claimant Shri....., r/o..... has been paid Rs..... on datedvide Cheque/Demand Draft No..... dated.....drawn on Bank.....

Signature and seal of the authorized signatory

**Government of Bihar
Department of Labour Resources**

Form-6

Application for Medical Assistance in the cases of Incurable Diseases under Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011

(To be submitted in triplicate to Labour Superintendent/ District Magistrate*)

1. (a) Name of the claimant_____
 - (b) Age_____
 - (c) Place of work_____
 - (d) Nature of work_____
 - (e) Address- Village/Mohalla
 PO _____ Panchayat/Ward_____

P.S _____ Anchal/Block _____

District _____
2. Statement of Incurable Disease:
4. Name and Address of the treating hospital/doctor (if applicable)
5. Documents Enclosed: The following documents have been attached with this application-
 - (i) Residential Certificate
 - (ii) Certificate of the treating medical attendant/hospital regarding the nature of applicant's disease
 - (iii) Proof of age
 - (iv) Certificate issued by the Mukhiya/ Ward Member of the panchayat/Member of the panchayat samitee or the concerned Ward Councilor in the urban area, as the case may be, specifying the nature of work the applicant is/was engaged in.
 - (v) A self attested photograph

I declare that above information is correct to the best of my knowledge.

I declare that if any information is found to be false, my claim shall be deemed illegal and I shall be prosecuted under law.

Witnesses

1. Name & Address
 - (a)
 - (b)

Signature of Claimant

*One copy with acknowledgement shall be returned to the applicant

Office of the District Magistrate

The claim has been examined and found correct/incorrect. The claim is sanctioned and it is ordered that the claimant be paid Rs..... under the Bihar Shatabdi Unorganized Sector Workers and Artisans Social Security Scheme, 2011 / the claim is rejected on the following grounds:

**Labour Superintendent/
Assistant Labour Commissioner
or
an officer authorised
by the District Magistrate**

Signature of District Magistrate

(Seal)

Place: _____

Date:- _____

The claimant Shri....., r/o..... has been paid Rs..... on datedvide Cheque/Demand Draft No..... dated.....drawn on Bank.....

Signature and seal of the authorized signatory.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 126-571+5000-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>